राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी

सादर प्रकाशनार्थ :-

जयपुर, 17 अक्टूबर। प्रदेश भाजपा ने केन्द्र सरकार के ईशारे पर शेखावाटी के लक्ष्मणगढ़ में आक्रोश सभा के नाम से एक मीटिंग बुलाई जिसे किसानों की सभा सम्बोधित किया गया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री सतीश पूनियां तथा उप नेता प्रतिपक्ष श्री राजेन्द्र राठौड़ द्वारा सभा में 30 हजार किसानों के भाग लेने का दावा किया गया जिसके विपरीत मात्र 3 हजार भाजपा कार्यकर्ता प्रदेश के विभिन्न जिलों से मीटिंग में सम्मिलित हुये, किन्तु शेखावाटी से इस सभा में कोई किसान शामिल नहीं हुआ। मीटिंग में भाग लेने वाले 65 प्रतिशत लोग उप नेता प्रतिपक्ष श्री राजेन्द्र राठौड़ द्वारा बैनर लगी बसों में भरकर चूरू से लाये गये।

उक्त विचार राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री गोविन्द सिंह डोटासरा ने आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, जयपुर पर प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुये व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि मीटिंग से पूर्व यह अनुमानित था कि मीटिंग का उद्देश्य लक्ष्मणगढ़ में भाजपा प्रत्याशी को लॉन्च करना होगा, किन्तु मीटिंग के पश्चात् स्पष्ट हुआ कि उप नेता प्रतिपक्ष श्री राजेन्द्र राठौड़ ने शेखावाटी से स्वयं को भाजपा में मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार लॉन्च करने के लिये लक्ष्मणगढ़ में मीटिंग आयोजित की तथा 65 प्रतिशत लोग मीटिंग में चूरू से लाये गये। उन्होंने कहा कि भाजपा की उक्त मीटिंग में लक्ष्मणगढ़ से भाग लेने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं की संख्या चार अंकों में भी नहीं पहुँच सकी, जबकि किसानों ने तो दूरी बनाई रखी। उन्होंने कहा कि भाजपा ने बाजरे की समर्थन मूल्य पर खरीद की मांग को लेकर मीटिंग करना प्रचारित किया था, किन्तु मीटिंग में बोलने वाले 12-13 वक्ताओं में से केवल दो वक्ताओं ने दो मिनट के अल्पसमय के लिये किसानों एवं कृषि पर अपना सम्बोधन दिया। उन्होंने कहा कि आश्चर्य की बात तो यह है कि लक्ष्मणगढ़ से भाजपा के विधानसभा चुनाव प्रत्याशी रहे नेता को अपना परिचय भीड़ को देना पड़ा जो दर्शाता है कि जिस स्थान पर सभा हुई उस क्षेत्र के लोगों की मीटिंग में भागीदारी नगण्य थी।

श्री डोटासरा ने कहा कि 700 किसानों की मौत की जिम्मेदार भाजपा की केन्द्र सरकार ने अपने पूंजीपति मित्रों को लाभ दिलाने के लिये तीन काले कृषि कानून लागू किये थे तथा किसानों को खालीस्तानी व आतंकवादी जैसे शब्दों से सम्बोधित किया गया था। उन्होंने कहा कि 15 महिने तक किसानों को खून के आंसू रूलाकर उक्त तीन काले कृषि कानून वापस

2.....

Created by Universal Document Converter

लिये गये, इसलिये भाजपा को किसानों की बात करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि यूपीए की डॉ. मनमोहन सिंह सरकार ने किसानों के 72 हजार करोड़ रूपये के ऋण माफ कर किसानों को राहत पहुँचाई थी तथा राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने 14 हजार करोड़ रूपये के कृषि ऋण चुकाकर किसानों को राहत प्रदान की है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसानों के सभी सहकारी बैंकों के ऋण राजस्थान सरकार द्वारा चुका दिये गये तथा राष्ट्रीयकृत बैंकों व राष्ट्रीय सहकारी बैंकों के किसानों के ऋणों का वन टाईम सैटलमेंट करने हेतु प्रधानमंत्री व सहकारिता मंत्री को राज्य सरकार ने पत्र लिखा जिसका जवाब केन्द्र सरकार द्वारा आज तक नहीं दिया गया, उल्टे लोकसभा व राज्यसभा में केन्द्रीय कृषि मंत्री ने वक्तव्य दिया था कि किसानों की कर्ज माफी की केन्द्र सरकार की कोई योजना नहीं है, बल्कि कर्ज माफी को केन्द्र सरकार ने रेवड़ी बांटने की संज्ञा प्रदान की।

उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता अपने चंद कार्यकर्ताओं को बुलाकर किसान हितैषी होने का ढोंग रच रहे हैं, यह कृत्य घोर निन्दनीय है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ही एकमात्र राजनैतिक दल है जिसकी सरकार ने किसानों के प्रदेश में 14 हजार करोड़ रूपये के ऋण माफ किये तथा जब केन्द्र सरकार ने तीन काले कृषि कानून लागू किये थे तब राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने विधानसभा सत्र बुलाकर काले कृषि कानूनों का प्रभाव समाप्त करने वाले विधेयक विधानसभा में पारित करवाये। उन्होंने कहा कि केन्द्र की भाजपा सरकार ने किसानों के हित में आज तक कोई निर्णय नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि उप नेता प्रतिपक्ष श्री राजेन्द्र राठौड़ ने सभा में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों के खाते में 2000 रूपये डाले हैं, यह वक्तव्य किसानों के स्वाभिमान पर चोट करने वाला है क्योंकि किसानों की हैसियत कम आंकने का कार्य भाजपा नेताओं ने किया है। उन्होंने कहा कि जिस बाजरे की खरीद के मुद्दे पर मीटिंग बुलाई गई उस बाजरे की फसल को पैरों तले रौंदने का काम भाजपा नेताओं ने किया, जबकि किसानों द्वारा अथक् मेहनत से फसल तैयार की जाती है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं ने पार्टी की नौटंकी के लिये ऐसा कृत्य किया जो घोर निन्दनीय है। उन्होंने कहा कि दिनांक 14-12-2021 को मुख्यमंत्री महोदय ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर मांग की थी कि एफसीआई के माध्यम से प्रदेश के काश्तकारों से एमएसपी पर बाजरा क्रय कर बाजरे कम उत्पादन करने वाले राज्यों में आपूर्ति की जाये क्योंकि राजस्थान में बाजरा प्रचुर मात्रा में होता है तथा हरियाणा से 6 गुना ज्यादा उत्पादन राजस्थान में होता है, किन्तु केन्द्र सरकार ने ऐसा करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बाजरा

2.....

Created by Universal Document Converter

बहुतायत में होता है तथा 6-8 माह में बाजरा खराब हो जाता है, यदि प्रदेश सरकार बाजरे को क्रय करे तो उसकी खपत प्रदेश में नहीं हो सकेगी तथा प्रदेश सरकार द्वारा 3600 करोड़ रूपये व्यय करने पर भी बाजरे की उपयोगिता नहीं होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं को यदि बाजरा उगाने वाले किसानों की चिंता होती तो 8 साल से केन्द्र में भाजपा का शासन है तथा पूर्व में 5 साल भाजपा का प्रदेश में शासन रहा है, किन्तु भाजपा सरकार ने कभी एक रूपये की भी बाजरे की खरीद नहीं की। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता केवल और केवल नौटंकी करने के आदि हो चुके हैं तथा भाजपा नेताओं ने चार साल में एक बार भी किसानों के मुद्दों पर अपनी आवाज नहीं उठाई। उन्होंने कहा कि सीकर के लक्ष्मणगढ़ में आयोजित मीटिंग में उप नेता श्री राजेन्द्र राठौड़ ने एक बात अच्छी कही कि शेर की मांद में चुनौती देने आये हैं, किन्तु सत्य यह है कि शेर लक्ष्मणगढ़ की जनता है जिसने उन्हें तीन बार चुनाव जिताकर विधानसभा में भेजा है। उन्होंने कहा कि भाजपा शासन के 5 वर्षों में मैंने विधानसभा में तत्कालीन भाजपा सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरकर नकेल डालने का कार्य किया था। उन्होंने कहा कि लक्ष्मणगढ़ की जनता ने मुझ पर विश्वास जताया तथा भाजपा की सभा में शामिल ना होकर साबित कर दिया है कि लक्ष्मणगढ़ की जनता मेरे द्वारा कराये गये विकास कार्यों से संतुष्ट होकर मेरे साथ है, क्योंकि लक्ष्मणगढ़ की जनता ने मुझे तीन बार चुनाव जिताकर अपना प्रतिनिधत्व करने का मौका दिया।

(स्वर्णिम चतुर्वेदी)
प्रवक्ता
मो. 9414074197

Created by Universal Document Converter